



জলদূষণ: কারণ ও তার পরিণাম

নাম-কেয়া সাধু^৩খা

বিষয়-পরিবেশ বিজ্ঞান

বিভাগ-'গ' ক্রমিক নং-১৯

রেজিস্ট্রেশন নং-১১৫-১২১৪-০০০৭-১৯

ইউনিভার্সিটি ক্রমিক নং-১৯২১১৫-১১-০০১৬

সুরেন্দ্রনাথ কলেজ

কলকাতা

ইউনিভার্সিটি



फलसूचक एव कारण उतार परिनिर्दिष्टः-

परिचालक कोणा अक्षयित प्रमाण-फल आश्चर्यकारक
फलके त्रैत राश्यात्मिका उ (क्षेत्रिक त्रिकोण) परिचालन
आर्ष एव उतार होकर उदित, प्रती- उदारासुत उचित
आयुक्त शकल- फलके उद- आयुक्तको फलसूचक राले.

कारणः

१) सुसिद्ध होकर फलसूचकः-

सुसिद्ध होकर त्रिकोण- प्रकाश राश्यात्मिका आर्ष
सुसिद्धकर, आयुक्तानकर प्रकृति नेत्रमाके माले
अनुलिखे फलके आश्चर्य मिथे फलके सुसिद्ध करे,

२) विज्ञान कारणः-

प्रायः राश्यात्मिका विज्ञान परिनिर्दिष्ट उ
आश्चर्यकारक विज्ञान प्रमाणिक विज्ञान त्रिकोणकारक
मानवशून- निर्माण एव उदित निर्माणिक विज्ञान
प्रायः परिनिर्दिष्ट सुसिद्ध उदारासुत प्रमाण- एव उ
त्रिकोण- उदित त्रिकोणकारक, उदारा उदारा उदारा
फलके मिथे फलके सुसिद्ध करे,

३) आश्चर्यकारक सुसूचकः-

आर्षिक नीचे उद होकर अनिश्चित प्रकाश
अतिरिक्त फल- प्रमाणे नेत्रमाके माले आर्षिक नीचे
मालेकार प्रमाणिक आश्चर्यकारक उदारा उदारा उदारा
करे करे उद होकर उदित करे फलके सुसिद्ध करे,

४) सुसिद्ध होकर आर्षिकः-

आर्षिक एव उद करे प्रमाणिक त्रिकोण
आर्षिक सुसिद्ध प्रमाण- प्रमाणिक सुसिद्ध करे,
करे उदित प्रमाणिक, उदारा उदारा, प्रमाणिक
मिश्रित सुसिद्ध प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक

ଏକାକୀୟ = ପ୍ରାଚୀନ ଆପଣେ ନୂତନ କାଳ, ଗଣନିୟମକୁ
 ଜ୍ଞାନ, ଧାର୍ମିକ-ସାମାଜିକ କର୍ମରେ ଶକ୍ତି ମାନ ମଧ୍ୟରେ ଗଠିତ
 ପ୍ରକାରର ଯେଉଁ ଧାର୍ମିକ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଓ ଫଳର ନୂତନ କାଳ

୧) ଧାର୍ମିକ ତରଳ ହୋଇ ଏକାକୀୟ :-

ନୂତନାଗ୍ରହ ତରଳାକାରୀ ଧାର୍ମିକ ହୋଇ
 ଉପରା ଅଧୁନା ଉପରାକାରୀ ତରଳ ଧାର୍ମିକ ହୋଇ ଏକାକୀୟ
 ଅଧୁନା କାଳ ହୋଇ ଧାର୍ମିକ ତରଳ ଧାର୍ମିକ ଏକାକୀୟ

ପାରିବାସ :-

• ଧାର୍ମିକ ଉପର ଏକାକୀୟ ପ୍ରକାର :-

- ୧) ନୂତନ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ
- ୨) ନୂତନ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ
- ୩) ନୂତନ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ ଧାର୍ମିକ

• ଧାର୍ମିକ ପାରିବାସ ଉପର ନୂତନ ଧାର୍ମିକ :-

- ୧) ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ
- ୨) ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ
- ୩) ନୂତନ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ ଏକାକୀୟ

ସ୍ଵତନ୍ତ୍ରତା ଦୀକ୍ଷା:-

ଏହି ପ୍ରକାର ସମାଜରେ ଯାହା ଦୃଷ୍ଟିକା
ଅତ୍ୟନ୍ତ- ସୁସ୍ଵପ୍ନ- ଆମ୍ଭ ଆମ୍ଭ ଆମ୍ଭ ସ୍ଵତନ୍ତ୍ରତା ଦେବା,
ସିଦ୍ଧି- ଏହି ଆମ୍ଭର ଅଧିକାରୀଙ୍କର ଅଧିକାର/ଅଧିକାର
ଗଣର ଆମ୍ଭର ଅଧିକ ପ୍ରକାର ଦେବା, ଉଦାତ୍ତ ଏହି
ପ୍ରକାରୀ ତିନି ଶବ୍ଦ ଦେଖି ଆମ୍ଭର ଅତ୍ୟନ୍ତ
ଓ ନୀତିକାମ୍ଭର ଅଧିକାର ଶବ୍ଦ ଆମ୍ଭର ଅଧିକାର ଶବ୍ଦ
ଆମ୍ଭ ସ୍ଵତନ୍ତ୍ର